अध्याय 2

लेखापरीक्षा संरचना

2.1 लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र

निष्पादन लेखापरीक्षा में मार्च 2013 तक पीजीसीआईएल द्वारा ट्रांसमिशन नेटवर्क के संवर्धन की स्थिति के साथ-साथ अप्रैल 2007 और मार्च 2012 के बीच पीजीसीआईएल द्वारा निष्पादित चयनित प्रमुख ट्रांसमिशन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की अवधारणा से कार्यान्वयन तक की सभी गतिविधियाँ शामिल हैं। 30 और 31 जुलाई 2012 को हुई ग्रिड बाधाओं की घटनाओं को देखते हुए पोसोको जो राष्ट्रीय ग्रिड का एकीकृत संचालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी हेतु अधिदेशित है, द्वारा ग्रिड प्रबंधन का पहलू भी लेखापरीक्षा के कार्यक्षेत्र में शामिल किया गया था।

2.2 लेखापरीक्षा उद्देश्य

निष्पादन लेखापरीक्षा के लेखापरीक्षा उद्देश्य यह मूल्यांकन करने के लिए थे कि क्याः (i) परियोजनाओं की शीघ्रता से समुचित रूप से पहचान और संकल्पना की गई थी और सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श किया गया था; (ii) उपकरणों की खरीद की प्रणाली और सेवाएँ मितव्ययी, दक्ष और प्रभावी थी; (iii) परियोजनाएँ मितव्ययितापूर्वक, दक्षतापूर्वक और प्रभावी रूप से निष्पादित की गई थी; और (iv) ग्रिड सुरक्षा और ग्रिड मॉनिटरिंग सहित दक्ष और प्रभावी ग्रिड प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली मौजूद थी।

2.3 लेखापरीक्षा मानदण्ड

निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए अपनाए गए लेखापरीक्षा मानदण्ड में निम्नलिखित शामिल थेः (i) विद्युत अधिनियम, 2003; (ii) राष्ट्रीय विद्युत नीति, 2005; (iii) भारतीय विद्युत ग्रिड कोड (आईईजीसी) सहित ट्रांसमिशन और ग्रिड प्रबंधन के संबंध में केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा जारी विनियम; (iv) सीईए के तकनीकी मानक; (v) सीईए ट्रांसमिशन योजना मानदण्ड; (vi) राष्ट्रीय विद्युत योजना; (vii) लोड उत्पादन संतुलन समीक्षा सहित सीईए रिपोर्ट; (viii) XI और XII योजना के दस्तावेज तथा XI योजना का मध्यावधि मूल्यांकन; (ix) XI[9] योजना हेतु विद्युत पर कार्यकारी समूह की रिपोर्ट; (x) विद्युत मंत्रालय (एमओपी) के साथ पीजीसीआईएल द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन; (xi) पीजीसीआईएल की कार्य एवं खरीद नीति एवं कार्यविधि और (डब्ल्यूपीपीपी); (xii) लेखापरीक्षा नमूनों में चयनित ट्रांसमिशन परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्ट तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट; (xiii) विद्युत प्रणाली योजना की स्थायी समिति, क्षेत्रीय विद्युत समितियों (आरपीसी), पीजीसीआईएल के निदेशक मंडल (बीओडी), परियोजना उप समिति तथा पीजीसीआईएल की अन्य बोर्ड स्तरीय समितियों की बैठकों का कार्यवृत्त, ठेकेदारों, वेंडरों, उप-वेंडरों के साथ बैठकें और परियोजना समीक्षा बैठकें; (xiv) बोली दस्तावेज एवं मूल्यांकन रिपोर्ट; (xv) पीजीसीआईएल और पोसोको द्वारा सीईआरसी को प्रस्तुत 30 और 31 जुलाई 2012 की ग्रिड बाधाओं (जीडी) की रिपोर्टें, सीईआरसी के समक्ष कार्यवाही का रिकार्ड और जीडी[10] पर 22 फरवरी 2014 का सीईआरसी का आदेश; (xvi) जुलाई 2012 की जीडीज़ की जाँच करने हेतु एमओपी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट; (xvii) अगस्त 2003 के ब्लैकआउट पर यूएस-कनाडा विद्युत प्रणाली आउटेज़ कार्यदल की रिपोर्ट; (xviii) पोसोको द्वारा बनाई गयी नियमावलियाँ और

[9] XI *योजना के लिए ऊर्जा कार्यकृम बनाने हेतु अप्रैल 2006 में योजना आयोग द्वारा सचिव (विद्युत) को कार्यकारी समूह के अध्यक्ष के रूप में तथा सदस्य सीईए के सदस्य (योजना), को सदस्य सचिव के रूप में नियुक्त कर विद्युत पर कार्यकारी समूह गठित किया गया था।*

[10] *सीईआरसी की वेबसाइट से ली गई*

संचालन प्रक्रियाएँ; (xix) पोसोको द्वारा सीईए और पीजीसीआईएल को भेजी गई संचालनात्मक और अन्य फीडबैक; और (xx) विद्युत प्रणाली विशेषज्ञों द्वारा प्रकाशित पेपर्स।

2.4 लेखापरीक्षा की कार्यप्रणाली

पीजीसीआईएल प्रबंधन के साथ 24 जुलाई 2012 को एक एंट्री कांफ्रेंस की गई थी जिसमें कार्यक्षेत्र, उद्देश्य, लेखापरीक्षा मानदण्ड और लेखापरीक्षा नमूने पर चर्चा की गई। पीजीआईएल और पोसोको के प्रबंधन को निष्पादन लेखापरीक्षा में ग्रिड प्रबंधन के पहलू को शामिल करने के निर्णय से अवगत कराते हुए उनके साथ 9 नवम्बर 2012 को भी एक बैठक की गई थी। पीजीसीआईएल और पोसोको में संबंधित अभिलेखों की जाँच की गई और लेखापरीक्षा निष्कर्षों को अंतिम रूप देने के लिए अगस्त 2012 से अगस्त 2013 के दौरान समय-समय पर वरिष्ठ प्रबंधन के साथ चर्चा की गई। पीजीसीआईएल और पोसोको के प्रबंधन को उनकी टिप्पणियों के लिए 18 जनवरी 2013 को ड्रॉफ्ट निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की गई थी। पीजीसीआईएल और पोसोको के उत्तरों पर विचार के बाद ड्रॉफ्ट रिपोर्ट अद्यतित की गई थी और आगे की जाँच, विशेषतः ग्रिड प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के आधार पर संशोधित कर दी गई थी (नवम्बर-दिसम्बर 2013)। चूँकि ड्रॉफ्ट रिपोर्ट में कई तकनीकी मुद्दे शामिल थे, लेखापरीक्षा आपत्तियों और निष्कर्षों को अंतिम रूप देने के लिए लेखापरीक्षा द्वारा समय-समय पर पीजीसीआईएल और पोसोको के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ गहन विचार-विमर्श किया गया था। ड्राफ्ट रिपोर्ट 7 जनवरी 2014 को एमओपी को जारी की गई थी। पीजीसीआईएल और पोसोको के प्रबंधन के साथ 12 फरवरी 2014 को एक प्री-एक्जिट कांफ्रेंस आयोजित किया गया था जिसमें लेखापरीक्षा परिणामों और निष्कर्षों पर चर्चा की गई थी। दिनांक 31 मार्च 2014 को एमओपी के उत्तर की प्राप्ति के पश्चात् ड्रॉफ्ट रिपोर्ट पर 15 अप्रैल 2014 को पीजीसीआईएल और पोसोको के प्रबंधन और एमओपी के साथ एक एक्जिट कांफ्रेंस आयोजित किया गया था। सीईआरसी तथा सीईए के प्रतिनिधि भी एक्जिट काफ्रेंस में शामिल हुए जिसमें ड्राफ्ट रिपोर्ट में प्रस्तावित किए गए सुधार के लिए परामर्शों तथा लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर चर्चा की गई। ड्राफ्ट रिपोर्ट में निहित सिफारिशों पर एमओपी के मत को भी बैठक के दौरान लिया गया तथा इस रिपोर्ट में पूर्ण रूप में शामिल किया गया।

2.5 लेखापरीक्षा नमूना

अप्रैल 2007 तथा मार्च 2012 के दौरान पीजीसीआईएल द्वारा योजनित तथा कार्यान्वित परियोजनाओं की संख्या के अनुसार 14 प्रतिशत तथा मूल्य के अनुसार 37 प्रतिशत को दर्शाते हुए 20 ट्रांसमिशन परियोजनाओं के एक प्रतिनिधि नमूने जैसाकि ***अनुबंध 2.1*** में वर्णित था, को पीजीसीआईएल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को औचित्य तथा कवरेज के आधार पर लिया गया। पीजीसीआईएल के कार्पोरेट कार्यालय द्वारा मार्च 2012 तक दी गई उक्त 20 चयनित परियेाजनाओं से संबंधित सभी 424 करारों की जॉच की गई। इसके अलावा, उक्त 20 परियोजनाओं के कार्यान्वयन के संदर्भ में संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा स्थानीय रूप से दिए गए करारों के 10 प्रतिशत के एक प्रतिनिधि नमूने को भी औचित्य[11] के आधार पर परीक्षण के लिए चयनित किया गया। इसके अलावा, अप्रैल 2007 से मार्च 2014 की अवधि के लिए ग्रिड सुरक्षा तथा ग्रिड मॉनीटरिंग सहित ग्रिड प्रबंधन से संबंधित प्रासंगिक रिकॉर्डों की भी पोसोको तथा पीजीसीआईएल के कॉरपोरेट कार्यालय में जांच की गई।

2.6 लेखापरीक्षा निष्कर्ष

लेखापरीखा निष्कर्षों की निम्नलिखित शीर्षों के तहत आगामी अध्यायों में चर्चा की गई है:

अध्याय 3: **योजना तथा परियोजना संकल्पना**

अध्याय 4: **लक्ष्य तथा उपलब्धियाँ**

[11] *मूल्य के अनुसार उच्च 10 प्रतिशत करार (60 करार)*

अध्याय 5: **निवेश अनुमोदन तथा परियोजना निधियन**

अध्याय-6: **परियोजना का कार्यान्वयन तथा निष्पादन**

अध्याय-7: **ग्रिड प्रबंधन**

अध्याय 8: **मॉनीटरिंग प्रणाली**

अध्याय 9: **निष्कर्ष तथा सिफारिशें**

2.7 आभार

निष्पादन लेखापरीक्षा के सुचारू संचालन में सहयोग देने में एमओपी तथा पीजीसीआईएल प्रबंधनों के साथ-साथ पोसोको द्वारा दिए गए सहयोग के लिए सराहना की जाती है तथा आभार व्यक्त किया जाता है।